

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
टिहरी/पौड़ी,

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक

०२-१-०७

दिसम्बर, २००६

विषय : वित्तीय वर्ष २००६-०७ के लिए जिला योजना के अन्तर्गत पुनर्विनियोग द्वारा धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल के पत्र संख्या सी-२९८/न०ख०दे०/जि०यो० (२००६-०७) दिनांक २९.७.०६ एवं जिलाधिकारी, टिहरी के पत्र संख्या ८२६/जि०यो०/२००६-०७ दिनांक २६.१०.०६ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के लिए वर्ष २००६-०७ में जिला योजना के अन्तर्गत नलकूप खण्ड, देहरादून के लिये नलकूप निर्माण के कार्यों हेतु रु० ७२.४० लाख एवं सिंचाई खण्ड-२ नरेन्द्रनगर के लिये नहर निर्माण कार्यों हेतु रु० ७४.०० लाख कुल रु० १४६.४० लाख (रुपये एक करोड़ छयालीस लाख चालीस हजार मात्र) की धनराशि संलग्न बी०एम०-१५ के विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा सम्बंधित खण्डों को आवंटित करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- १- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- २- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- ३- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैंडर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- ५- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- ६- मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तरांचल राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

(2)

- 7- कार्य की समय बद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 8- विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 9- त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का उक्त त्रैमास में पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
- 10- धनराशि का आहरण डी0सी0एल0 हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय की अनुदान सं0-20 के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित उपलेखा शीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 1072/XXVII (2) /2006 दिनांक 20 दिसम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव

संख्या 04 / 11-2005-03(08) / 05, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, सिंचाई।
- 2- महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-2।
- 4- मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तरांचल।
- 5- श्री एम0एल0 पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 7- कोषाधिकारी, टिहरी/पौड़ी।
- 8- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव

प्रशासनिक विभाग: सिंचाई विभाग उत्तरांचल शासन।

विष्णुसूक्तम् 2006-07 अज्ञान संख्या-20

(अन्यथा ह्येव)

मुनर्विनियोग के	मुनर्विनियोग के बाद
-----------------	---------------------

अभ्युक्तिः।

वर्क प्रविण तथा लेखाधीन का वर्णन	मानक मूल्य अथवा अधिक	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष संपत्ति धनराशि	लेखाधीन अंश में धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है।	पुनर्विनियोग के बाद सन्तुल्य की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के अवशेष धनराशि (सन्तुल्य-1 में)	अभ्युक्ति
4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परियोजनाएं 04-नलकूपों का निर्माण (आयोजनागत) 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रीय द्वारा पुनर्वित्तित योजनाएं। 01-भारत निर्माण परियोजना के अन्तर्गत नलकूपीय निर्माण 24-वृहत् निर्माण कार्य 471100	2	3	4	5 4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परियोजनाएं 04-नलकूपों का निर्माण, (आयोजनागत) 800-अन्य व्यय 02-अन्य प्रकार के व्यय 91-नलकूपों का निर्माण (जिला योजनाएं) 24-वृहत् निर्माण कार्य 4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परियोजनाएं 06-निर्माणधीन सिंचाई नहरें/अन्य योजनाएं 800-अन्य व्यय 02-अन्य प्रकार के व्यय 91-निर्माणधीन सिंचाई नहरें/अन्य योजनाएं (जिला योजनाएं) 24-वृहत् निर्माण कार्य	6 7240 56540	7 435460	8 (क) भारत निर्माण दृष्टिकोण से Prospective Plan द्वारा कोई गार्डर लाइन उपलब्ध नहीं सिंचाई स्तंभों में पुनर्वित्तित है। पुनर्वित्तित है। कमरे हुए पदार्थों पर बजट गयी थी किन्तु बाद में भारत यह निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम के अन्तर्गत योजनाएं पंक्ति एनआईडीटी के अनुसार किया जायेगा। ये के मानकों के अनुसार केन्द्र पर अन्तरिक्ष सिंचाई योजनाएं ही अग्रगण्य हैं। भारत केन्द्र नलकूप निर्माण के कार्य गये। बजट व्ययका बजट है। (ख) बजट व्ययका अग्रगण्य होने के कारण।
योग	471100	-	471100	14640	277292	435460	

प्रमाणित डिग्री जाता है। कि उमर अनुवर्धन के प्रसार 150-156 में उल्लिखित प्राध्यापकों एवं योजनाओं का उल्लेख नहीं होता है।

(महाविहारे सिंह चौहान)

अथ शिवः ।

710-1072 / (a) / XXVII(2) / 2006

2006 447-448

पुनर्विनिर्वाहः स्वीकृतः

2000

(ಸಿಬಿಐ ಸಿಬಿಐ)

आर्य समाज

महादेवाय नमः

222

710 24 / -2306-03 03 / 2036 2-1-04

प्रतिभिषि निम्नलिखित को सूचनार्थ दृढ़ आशयक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. विात अनुभाग-2 उत्तरांचल शासन, देहरादून ।
2. जिलाधिकारी/कांथाधिकारी, दिवरी/पीडी ।
3. मुख्य अधीक्षण एवं विभागव्याप्त, सिचर्ड विभाग, उत्तरांचल, देहरादून ।

(महावीर ऋषि/बौद्ध)

अथ प्राप्तिव ।